गोल्ड ईटीएफ में निवेश कितना कारगर, कैसे मिलेगा फायदा, यहां जानिए हर जानकारी

जब बात निवेश की हो तो निवेश की सफलता की भी आती है। हमने पहले के आर्टिकलों में निवेश की सफलता के लिए धैर्य और अनुशासन की बात कही है और यह किस प्रकार एक निवेशक को सफलता प्रदान कर सकते हैं। बात जब निवेश की हो रही हो तो रिस्क को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। अच्छा निवेशक वह है जो कैलकुलेटेड रिस्क ले और कैलकुलेटेड रिस्क लेने का एक बहुत ही बेहतरीन तरीका है असेट अलोकेशन। यानि अलग अलग किस्म की असेट मे निवेश करना ,उदाहरण के लिए जो प्रचलित असेट क्लास हैं वो हैं रियल एस्टेट ,बैंक एफ डी ,पोस्ट ऑफिस,पी पी एफ ,डेट फंड ,ईक्विटी और ईक्विटी म्यूचूअल फंड और गोल्ड।

गोल्ड में निवेश करने के प्रचलित तरीके हैं फिजिकल गोल्ड जो कि गोल्ड शो रूम से खरीदे जा सकते हैं, गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) ।

क्या हैं गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ एक अच्छा विकल्प है. सोने में निवेश लोगों में बहुत प्रचलित है क्योंकि गोल्ड में निवेश भावनाओं से भी जुड़ा हुआ है। लेकिन फिजिकल गोल्ड खरीदने की कुछ मुश्किलें हैं मसलन आम तौर पर कम से कम एक ५ या १० ग्राम खरीदना पड़ता है जो आज की तारीख में हर किसी की जेब के अनुरूप नहीं होगा ,दूसरी मुश्किल है खोने का डर और तीसरी कि यदि बैंक लाकर में रखा जाए तो एक तो आसानी से लाकर नहीं मिलते और मिल भी जाए तो सालाना शुल्क बहुत भारी पड़ता है। ऐसे में गोल्ड ईटीएफ)एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) ज्यादा बेहतर विकल्प लगता है। गोल्ड ईटीएफ म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं जहां निवेशक गोल्ड में निवेश कर सकते हैं.

गोल्ड ईटीएफ ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड हैं जो फिजिकल गोल्ड में निवेश करते हैं। वे किसी भी अन्य शेयर की तरह स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होते हैं। जब एक्सचेंज पर गोल्ड ईटीएफ का कारोबार होता है, तो उन्हें नकद में यूनिट के बराबर क्रेडिट किया जाता है। गोल्ड ईटीएफ की प्रत्येक इकाई शुद्ध, उच्च गुणवत्ता वाले सोने के 99.5% ग्राम का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें 0.01 ग्राम भौतिक सोने से लेकर 1 ग्राम भौतिक सोने तक होता है। गोल्ड ईटीएफ से आने वाला रिटर्न स्पॉट बाजार में फिजिकल गोल्ड से मिलने वाले रिटर्न के समान होना चाहिये।

गोल्ड ईटीएफ की यूनिट ऑनलाइन खरीदी जा सकती है, जिसे बाद में निवेशक के डीमैट अकाउंट में जमा किया जाता है. चूंकि सोने की मांग आम तौर पर अधिक होती है, इसलिए इसे स्टॉक एक्सचेंज पर आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।

गोल्ड ईटीएफ – शुल्क और टैक्स

गोल्ड ईटीएफ में कोई एंट्री या एग्जिट लोड नहीं होता है। एकमात्र लागत जो निवेशक चुकानी होती है वह लेनदेन पर ब्रोकरेज है। आजकल, निवेश के लिए एक विकल्प के रूप में उपलब्ध डिस्काउंट ब्रोकरों के साथ, गोल्ड ईटीएफ इकाइयों को ब्रोकरेज का भुगतान किए बिना खरीदा जा सकता है। इसके अलावा, चूंकि गोल्ड ईटीएफ में किसी और प्रकार का शुल्क जैसे मेकिंग चार्ज वगैरह नहीं देने पड़ते। गोल्ड ईटीएफ पर लगाए गए अप्रत्यक्ष कर फिजिकल गोल्ड की बिक्री या खरीद पर लगाए गए कर के बराबर होता है। जब यूनिटधारक गोल्ड ईटीएफ इकाइयों के बेचने पर लाभ कमाते हैं, तो उन्हें पूंजीगत लाभ कर का भुगतान करना होता है। गोल्ड ईटीएफ में, कर दीर्घकालिक और अल्पकालिक पूंजीगत लाभ दोनों पर लागू होते हैं। सोने के अन्य रूपों में खरीदने या निवेश करने के विपरीत, गोल्ड ईटीएफ पर संपत्ति कर (Wealth Tax), जीएसटी या सिक्युरिटी लेनदेन कर लागू नहीं होते हैं।

निवेशक अपने गोल्ड ईटीएफ निवेश का उपयोग बैंक या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से ऋण लेने के लिए सुरक्षा के तौर पर रख सकते हैं। चूंकि यह इलेक्ट्रॉनिक रूप में होते हैं और इनका मूल्यांकन में पारदर्शिता होती है इसलिए यह ऋण लेने के लिए अधिक सुविधाजनक होते है।

ई टी एफ में एस आई पी

चूंकि गोल्ड ईटीएफ डीमैट खातों के माध्यम से खरीदे जाते हैं, इसलिए वे पारंपरिक रूप से एसआईपी की सुविधा नहीं होती लेकिन कुछ ब्रोकर स्टॉक एस आई पी की सुविधा प्रदान करते हैं. यदि निवेशक म्यूचुअल फंड के माध्यम से सोने में समय-समय पर व्यवस्थित रूप से निवेश करना चाहते हैं, तो गोल्ड फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) के ज़रिए भी निवेश कर सकते हैं। गोल्ड एफओएफ गोल्ड ईटीएफ में निवेश करते हैं। गोल्ड एफओएफ के मामले में, निवेशकों को इसकी अंतर्निहित योजना, यानी गोल्ड ईटीएफ के अतिरिक्त खर्च वहन करना पड़ता है।

संक्षेप में

गोल्ड ईटीएफ एक परंपरागत निवेशक के लिए एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है। यह कम जोखिम वाला इन्वेस्टमेंट है और यह महंगाई के प्रभाव को कम करने के लिए अत्यंत प्रभावी साबित हो सकता है।

निवेशकों को जागरूक करने के लिए एडलवाइज म्यूचुअल फंड की पहल.
सभी म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक बार केवाईसी प्रोसेस को पूरा करना होता है. निवेशकों को केवल रजिस्टर्ड म्यूचुअल फंड (आरएमएफ) के साथ डील करनी चाहिए.
केवाईसी, आरएमएफ से जुड़ी अधिक जानकारी और किसी भी तरह की शिकायत दर्ज कराने का प्रोसेस जानने के लिए विज़िट करें: https://www.edelweissmf.com/kyc-norms

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है. कृपया निवेश करने से पहले सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.